प्रशिक्षण शिष्यों को प्रशिक्षित करने के लिए
सत्र 12: एक दूसरे से प्यार करो (6क)

रॉन लाइवली, एम.डिवी., एमए द्वारा ऑफ़र किया गया - BiblicalMentoring.org (अध्ययन)

चरण 1: प्रारंभिक प्रार्थना

चरण 2: प्रत्येक व्यक्ति स्मृति कविता को उद्धृत करता है: छंद चरण: **1 यूहन्ना 1:9**
9 "यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने के लिए विश्वासयोग्य और धर्मी है और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने के लिए।

चरण 3: *बाइबल अध्याय के सभी या कुछ हिस्सों को पढ़ें और चर्चा करें* ***- 1 जॉन 1***

चरण 4*:* व्यक्तिगत अनुप्रयोगों और/या समूह चर्चा के लिए प्रश्न:

एक. क्यों "एक दूसरे के लिए प्रेम ईसाई के शिष्यत्व का बिल्ला" है?

दो. लेखक लिखते हैं कि ईसाइयों की सभी में सबसे विशिष्ट पहचान है - अन्य शिष्यों के लिए प्रेम।

तीन. फिलिप्स का कहना है कि अगर हमें दूसरों के लिए अपना प्यार खुलकर दिखाना है तो हमें दो चीजों को समझना और अनुभव करना चाहिए।

चार. खुद को और दूसरों को क्षमा करना परमेश्वर की पूर्ण क्षमा को स्वीकार करने से शुरू होता है। यह क्यों आवश्यक है?

पाँच. क्या आप महसूस करते हैं कि जब परमेश्वर ने आपको क्षमा कर दिया है, तो दूसरों को क्षमा करने में विफलता का अर्थ है कि आप परमेश्वर की क्षमा पर प्रश्न उठाते हैं?

चरण 5*: पुस्तक की सामग्री पढ़ें और चर्चा करें:*

अध्याय 6 ए लेखक के अनुसार - कीथ फिलिप्स:

एक दूसरे से प्यार करो

एक शिष्य की तीसरी विशेषता यह है कि वह अन्य ईसाइयों से प्यार करता है। यीशु ने कहा, "यदि तुम एक दूसरे से प्रेम रखोगे तो इसी से सब मनुष्य जान लेंगे कि तुम मेरे चेले हो" (यूहन्ना 13:35)। एक दूसरे के लिए प्रेम हमारे शिष्यत्व का बिल्ला है। कुछ समय पहले मैंने अपने होटल की लॉबी में एक गगनभेदी आवाज सुनी। मैं कल्पना नहीं कर सकता था कि क्या हो रहा था जब तक कि मैंने एक बहुत ही विशिष्ट लाल फ़ेज़ नहीं देखा। तब मैंने देखा कि लगभग हर आदमी का सिर इसी तरह से सजाया गया था। श्राइन शहर में थे! किसी को मुझे बताने की जरूरत नहीं थी। उनकी टोपियों ने उन्हें पहचानना आसान बना दिया। कई समूहों की पहचान उनके प्रतीक चिन्ह या सामान्य पोशाक से की जाती है: पुलिसकर्मी वर्दी पहनते हैं, रोटेरियन पिन पहनते हैं, बास्केटबॉल खिलाड़ी जर्सी पहनते हैं। लेकिन शिष्यों को "एकतरफा" पिन, लिपिक कॉलर या चर्च के वस्त्र पहनने की आवश्यकता नहीं है। हमारे पास कपड़ों में विविधता हो सकती है और बौने की कॉलोनी में एक विशाल की तरह पहचानना आसान हो सकता है। हमारे पास सभी की सबसे विशिष्ट पहचान है। यहूदी बस्ती में हमारे स्टाफ घरों के लिए "वर्ल्ड इम्पैक्ट होम" या "हाउस ऑफ गॉड" का विज्ञापन करने वाले संकेत होना अनावश्यक है। एक दूसरे के लिए हमारा प्यार इतना स्पष्ट होना चाहिए कि हमारे पड़ोसी मसीह के प्रति हमारी निष्ठा को गलत न समझ सकें। जब हमारी कुछ महिला कर्मचारी पहली बार कोने के बाजार में गईं, तो मालिक ने कहा, "ओह, आप ईसाई घर से हैं, है ना? मैं हमेशा आपकी बड़ी मुस्कान और आपके प्यार से आप लड़कियों को बता सकता हूं।

फ्रेस्नो में एक स्टाफ होम खोलने के एक महीने बाद, जिस व्यक्ति ने मेरे साथ अपॉइंटमेंट लिया था, उसने हमारा पता और साथ

ही हमारे संगठन का नाम खो दिया। वह समुदाय में रुका और एक पड़ोसी से पूछा कि क्या वह जानती है कि ईसाइयों का एक समूह कहाँ रहता है। उसने उत्तर दिया, "ओह, हाँ, हम सभी जानते हैं कि वे कौन हैं। वे कोने पर अगले ब्लॉक पर रहते हैं। हमारे पड़ोसी के साथ उनकी मुलाकात ने मुझे जो कुछ भी कहना था, उससे कहीं अधिक जोर से बात की। चूंकि दुनिया जानती है कि हम एक दूसरे के लिए अपने प्यार से शिष्य हैं, इसलिए हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारी पहचान विशिष्ट हो। अन्य विश्वासियों के लिए एक मजबूत, लगातार प्यार करने के लिए, हमें क्षमा और समुदाय को समझना और अनुभव करना चाहिए।

क्षमा

एक शिष्य ईश्वर या खुद से प्रेम नहीं कर सकता है, दूसरों की तो बात ही छोड़ दें, जब तक कि वह ईश्वर की पूर्ण क्षमा को स्वीकार नहीं करता है, और उस आधार पर, स्वयं को क्षमा करता है, दूसरों को क्षमा करता है और दूसरों की क्षमा को स्वीकार नहीं करता है।

परमेश्वर की क्षमा को स्वीकार करें

आपको अपने अतीत, वर्तमान और भविष्य के लिए परमेश्वर की पूर्ण क्षमा को स्वीकार करना चाहिए। ऐसा कोई पाप नहीं है जिसके लिए आपको स्वीकारोक्ति और सच्चे पश्चाताप से क्षमा नहीं किया जा सकता है। परमेश्वर हमें सभी अधर्म से शुद्ध करने का वादा करता है (1 यूहन्ना 1:9) और हमारे पापों को हमेशा के लिए भूल जाने का वादा करता है (यशायाह 43:25)। परमेश्वर की क्षमा परिपूर्ण है। सात साल पहले, पैट विलियम्स ने वाट्स में एक खाली स्थान पर अपने पहले वर्ल्ड इम्पैक्ट बाइबिल क्लब में भाग लिया। जब उसने यीशु का अनुसरण करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की, तो उसका जीवन बदलने लगा। उसने ईमानदारी से बाइबल का अध्ययन किया, प्रार्थना की और परमेश्वर की आराधना की। स्नातक स्तर की पढ़ाई के बाद वह हमारे कर्मचारियों में शामिल हो गई और उसी समुदाय में सेवा करना शुरू कर दिया जिसमें वह बड़ी हुई थी। पैट परमेश्वर की मुक्ति शक्ति का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रतीत हुआ। लेकिन उसकी संक्रामक मुस्कान के नीचे छिपी हुई, पैट ने उत्पीड़न और शारीरिक शोषण से तबाह बचपन को छुपाया। उसके पिता ने परिवार छोड़ दिया जब उसकी माँ पैट के साथ तीन महीने की गर्भवती थी। उसके और उसके पांच भाइयों के तीन अलग-अलग पिता थे। वे गरीबी में रहते थे, कभी-कभी भोजन के बिना रहते थे। लेकिन यह यौन शोषण था जिसने पैट को परेशान किया। उसके अपने चाचा ने उसके साथ बलात्कार करना शुरू कर दिया था जब वह अभी भी एक बच्ची थी। "वह मुझे कैंडी देता था," पैट बताता है, "और जब भी वह चाहता था मुझे ले आओ। चूंकि वह परिवार का हिस्सा था, इसलिए मैं इसके बारे में कुछ नहीं कर सकता था। उसने मुझे धमकी दी कि अगर मैंने कभी किसी को बताया तो वह मुझे जान से मार डालेगा। पैट सभी पुरुषों से नफरत करते हुए बड़ा हुआ और उसके चाचा ने उसके साथ जो किया था, उसके लिए खुद से नफरत करता था। हमारे स्टाफ में शामिल होने के बाद भी, वह पुरुषों को देखने या उनके साथ रहने से घृणा करती थी। उसका ईसाई जीवन अपराधबोध, घृणा और चोट से अपंग था। इतने सारे ईसाइयों की तरह, पैट ने परमेश्वर के उद्धार के उपहार को स्वीकार किया था, लेकिन उसकी पूर्ण क्षमा को स्वीकार नहीं किया था।

परमेश्वर द्वारा आपको क्षमा करने के आधार पर स्वयं को क्षमा करें

आप प्रदर्शित करते हैं कि आपने स्वयं को क्षमा करके परमेश्वर की पूर्ण क्षमा स्वीकार कर ली है। जब आप समझते हैं कि परमेश्वर आपसे प्रेम करता है, तो आपकी आध्यात्मिक गरिमा की भावना बहाल हो जाती है। यह आपको स्वयं को क्षमा करने के लिए मुक्त करता है। तभी आप प्यार कर सकते हैं और स्वीकार कर सकते हैं कि आप कौन हैं। पौलुस, "पापियों का प्रधान" और मसीह का महान प्रेरित दोनों, घोषणा करता है, "परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह से जो मैं हूँ वही हूँ..." (1 कुरिन्थियों 15:10)। ईश्वरीय स्वीकृति आत्म-प्रेम का ताना-बाना है। पॉल आत्म-प्रेम की गुणवत्ता को इंगित करता है जो परमेश्वर शिष्यों से अपेक्षा करता है। "कोई भी अपने शरीर से घृणा नहीं करता, परन्तु प्रेमपूर्वक उसकी परवाह करता है, जैसे मसीह अपने शरीर कलीसिया की परवाह करता है..." (इफिसियों 5:29 पौंड)। मसीह का इरादा था कि आपके पास अपने बारे में एक स्वस्थ, सकारात्मक राय हो। बाइबिल की शिक्षा की पुनरावृत्ति, "अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करो," परमेश्वर द्वारा आत्म-प्रेम पर दिए गए महत्व को रेखांकित करता है। यदि आप अपने आप से प्यार नहीं करते हैं, तो यह हमेशा आपके पड़ोसी के लिए प्यार की कमी में सामने आएगा। जब परमेश्वर ने आपको क्षमा कर दिया है तो अपने आप को क्षमा करने में विफलता परमेश्वर की क्षमा को एक अमूर्त विचार में बदल देती है। इसका मतलब है कि आप विश्वास नहीं करते कि आपके पापों के लिए उसकी क्षमा परिपूर्ण थी। आप मसीह के बचाने और चंगाई कार्य की प्रभावशीलता को नकारकर उसकी संप्रभुता पर सवाल उठाते हैं। आपका अभिमान कहता है कि आपके पाप परमेश्वर के लिए क्षमा करने के लिए बहुत बड़े हैं और आप उसके छुटकारे से परे हैं। यह आपके ईसाई जीवन को

जर्जर कर देता है। यह आपको उस शांति, सुरक्षा और प्रेम से वंचित करता है जिसका परमेश्वर आपके आनंद लेने के लिए चाहता है। इन अनुभवों की अनुपस्थिति विनाशकारी है, मुक्तिदायक नहीं। कोई भी शिष्य जो स्वयं के लिए मर चुका है और मसीह उसमें जीवित है, वह स्वयं को क्षमा करने से कम करने पर विचार नहीं करेगा क्योंकि परमेश्वर ने उसे क्षमा कर दिया है। पैट विलियम्स ने महसूस किया कि आत्म-घृणा एक शिष्य के लिए विदेशी थी। लेकिन भले ही वह यौन शोषण का शिकार हुई थी, फिर भी वह दोषी और गंदी महसूस करती थी। भगवान उसे कैसे माफ कर सकते थे? वह खुद को कैसे माफ कर सकती थी? जब पैट हमारी महिला स्टाफ के घर में चली गई, तो उसने भगवान के बिना शर्त प्यार की सुरक्षा का अनुभव किया। शरीर में स्वीकृति के माध्यम से, उसने महसूस किया कि भगवान उससे प्यार करते हैं, चाहे उसने कुछ भी किया हो या उसके साथ क्या हुआ हो। मसीह के बलिदान के कारण, परमेश्वर ने उसके पापों को मिटा दिया और दुर्व्यवहार के लिए भुगतान किया। उसने उसके साथ ऐसा व्यवहार किया जैसे कि वे कभी अस्तित्व में ही नहीं थे। उस आधार पर वह खुद से प्यार कर सकती थी। पैट इसे सबसे अच्छा कहता है: "मुझे पता चला कि जब यीशु की मृत्यु हुई, तो उसने मेरे जीवन में सभी चोट, अपराध और कड़वाहट के लिए भुगतान किया। उसने इसका ख्याल रखा। अतीत के बारे में चिंता करके और परमेश्वर की पूर्ण क्षमा को स्वीकार न करके, मैं मुझे पूरी तरह से शुद्ध करने और मुझे नया बनाने की उसकी शक्ति पर सवाल उठा रहा था। लेकिन अब मुझे पता है कि उसने मुझे पूरी तरह से माफ कर दिया है, और इसलिए मैं खुद को स्वीकार कर सकता हूं और माफ कर सकता हूं।

पीपी.59-62

***चरण 6**: व्यक्तिगत प्रार्थना अनुरोधों को साझा करें फिर प्रत्येक व्यक्ति दूसरे के अनुरोधों के लिए प्रार्थना करता है।*

स्रोत: द मेकिंग ऑफ ए डिसाइपल डॉ . कीथ फिलिप्स द्वारा। फ्लेमिंग एच. रेवेल कंपनी द्वारा, 1981। आई°ऍस°बी°ऍन° 0-8007-1181-5. रॉबर्ट ई. कोलमैन द्वारा परिचय। सामग्री (अध्ययन प्रश्नों को छोड़कर) बिना किसी संशोधन के पुस्तक से ली गई है।

संशोधित 20261011